महाविद्यालय प्रतिवेदन

व्यक्ति के जीवन में छात्र जीवन, स्वर्णिम युग होता है। 1982 में 17 छात्राओं के साथ 2 छात्राओं के साथ 2 कमरों से प्रारंभ यह महाविद्यालय आज 1085 छात्राओं के साथ छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा क्षेत्र में अनेक सोपानों को प्राप्त करते हुए एक विशेष स्थान बना चुका है। 4 संकायों में स्नातक एवं तीन संकायों में स्नातकोत्तर के साथ 3 विषयों में शोध केन्द्र का सफलता के साथ संचालित करने वाले इस महाविद्यालय की छात्राओं ने विश्वविद्यालय प्रावीण्य सूची में निरंतर स्थान प्राप्त किया किया है।

1. 2015 की प्रावीण्य सूची में युक्ति अजवानी ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया कर 2 गोल्ड मेडल प्राप्त किये।
2. बी.कॉम की विनीता तलरेजा
3.

हमारे यहां एन.सी.सी. की 50 यूनिट है। जिसकी प्रभारी डॉ. कविता शर्मा है। छत्तीसगढ़ का एक मात्र महाविद्यालय है। जहां गर्ल्स एन.सी.सी. का रजिस्ट्रेशन होता है। हमारे फलाईण्ट की कैडेट अदिती पारीक को बेस्ट कैडेट का अवार्ड मिला है।

एन.एस.एस. में 100 छात्राओं की यूनिट डॉ. मनीषा गर्ग के कुशल नेतृत्व में छात्राओं में ~~छात्राओं ने~~ अनेक रचनात्मक एवं सामाजिक कार्य किये है।

1. वृक्षारोपण 2. टेरेस गार्डन 3. स्वच्छता अभियान

क्रीड़ा की बात करे तो पिछले वर्ष राज्य स्तरीय कबड्डी की मेजबानी का गौरव महाविद्यालय को प्राप्त हुआ था। इस वर्ष हैण्डबॉल में पूनम यादव, गुंजन टंडन, बॉस्केटबॉल में पूजा तिवारी, शतरंज में चंचल साहू, फुटबॉल में सुप्रिया कुकरेती एवं वंदना ध्रुव तथा खो–खो में किशोरी ने राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया हैं और करने जा रही है, ज्ञात हो कि इनमें से सुप्रिया कुकरेती फुटबॉल की अर्न्तराष्ट्रीय खिलाड़ी है। क्रीड़ा के इन हीरों को तराशने का श्रेय हमारे सजग सक्रिय क्रीड़ा अधिकारी डॉ. प्रकाश ठाकुर को जाता है।

हमारा महाविद्यालय अकास्मिक रूप से अत्यंत संपन्न है। 32 में से 28 शिक्षक पी.एच.डी. है एवं 3 कर रहें हैं। हम राष्ट्रीय के यू.जी.सी. ~~स्पोन्सर्स~~ 6 सेमीनार करवा चुके है। 17 यू.जी.सी. सी कॉस्ट .... पूर्ण हो चुके है। हमारे महाविद्यालय शोध केन्द्र से 16+30+05=**51** छात्र Ph.D. कर चुके है।

अभी–अभी दीपावली हमने मनायी पर आज पुनः दीपों की जगमगाकर दुगनी हो गयी। जब हमें पता चला कि हमारे महाविद्यालय के छत्रसंघ शपथ ग्रहण समरोह

Principal
Arts and Commerce Girls College
Devendra Nagar Raipur

Scanned with CamScanner

में दो दीपक अपनी रोशनी से हमारे बीच लंबे समय से चले आ रहें है। अंधकार को मिटाने आ रहें है।

जब भी इस महाविद्यालय का इतिहास लिखा जाएगा, एक ऐसा नाम है। जो स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा, कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी वो नाम हैं हमारे मुख्य अतिथी भाई श्री बृजमोहन अग्रवाल जी का हमारे कॉलेज की समस्या को विधानसभा तक पहुंचाने वाले एवं केबीनेट में जोरदार दलील देकर शासकीयकरण का कोहीनूर लाने वाले कोई और नही हमारे मुख्य अतिथी भाई श्री बृजमोहन अग्रवाल जी है। इस कॉलेज को लोग मोहन भैया के कॉलेज नाम से भी जानते है, और हमारे महाविद्यालय से उनका लगाव छुपा नहीं हैं। उदाहरण एक पत्रकार। हमारे महाविद्यालय के लिये पिछले 27 सालों से लगातार मेहनत कर रहें है। अग्रवाल जी के लिये ये कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा।

हौंसलों के आगे कोई पर्दा नहीं होता,
कड़े परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता।
दिल में हो जो जब्बा कुछ कर दिखाने कौं,
तो जलते दिये को भी आंधियों का डर नहीं होता।

आज हमारे बीच विशिष्ट अतिथी के रूप में भाई संजय श्रीवास्तव जी उपस्थित है। सहज, सरल व्यक्तित्व के धनी संजय जी की सरलता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि परसों मैने फोन पर आने का निमंत्रण दिया उन्होंनें सिर्फ इतना पूछा कि क्या कार्यक्रम है और कितने बजे आना है।

आज छत्तीसगढ़ में यदि युवा शक्ति का प्रतीक ऊर्जावान प्रखर वक्ता, सादगी, संस्कार युक्त, ओजस्वी अपनत्व से भरा कोई व्यक्ति है तो वह हैं भाई श्री संजय श्रीवास्तजी।

जहां भाई श्री बृजमोहन अग्रवाल जी वर्षो से हमारे महाविद्यालय के अनुदान से लेकर शासकीयकरण तक पिछले 27 वर्षों से लगे रहे वहीं भाई श्री संजय श्रीवास्तव ने हमारी महाविद्यालय की सफलता यानि शासकीयकरण की राह में बाधक बनी एक बड़ी चट्टान को हटाकर हमारा मार्ग प्रथस्त किया। किसी ने सच्च कहा है— बड़े नसीबों से एक ऐसा शक्स मिलता है।

अंत में आप दोनों को हृदय से आभार देते हुए मैं मंत्री जी के समक्ष कोई डिमांड न रखते हुए अनके द्वारा पिछले वर्ष की गयी घोषणा की ओर ध्यान आर्कषित करना चाहूंगी। गर्ल्स कॉमन रूम एवं जिम की जिसके लिए आपके 5–5 लाख रूपये देने की घोषणा की थी, परंतु अभी तक ये कार्य प्रारंभ नहीं हुआ।

इसी के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देती है।

जय हिन्द, जय छत्तीसगढ़

Principal
Arts and Commerce Girls College
Devendra Nagar Raipur

Scanned with CamScanner